अनुसंलग्नक–क

संक्षिप्त चयनित कार्यों का ब्यौरा

पंचायत : वियोग टटवा
गांव : वियोग
प्रधान : सुमन षर्मा
सहायक : बलबीर

कार्य किये गयेः–

1. मन्दिर प्रागण निर्माण
2. रास्ता निर्माण
3. स्कूल के मैदान की मुरम्मत
4. जोहड़ का काम
5. रास्ता वार्ड नम्बर तीन

अधूरा कार्य

इसमें से 3 और 5 नम्बर काम अभी अधूरे थे। जो कि पैसों की वजह से रूक गये थे।

पंचायत : दुगाणा (पांवटा साहिब)
प्रधान : अनीता पुण्डीर

कार्य किये गयेः–

1. रास्तों का निर्माण
2. डंगों का निर्माण

इस गांव में सबसे ज्यादा आवष्यकता पानी स्त्रोतों को संरक्षित करने की थी जो कि पंचायत द्वारा उपेक्षित किया गया।

पंचायत : नैनीधार
प्रधान : षीला देवी

कार्य :–

रास्तों का निर्माण कैंची से कलोग तक

कार्य जो होने चाहिए थे :–

1. इस गांव में मुख्य रासता जो कि गांव के मन्दिर की तरफ जाता है। बुरी हालत में है। जिसे बनाने की अधिक आवष्यकता थी।
2. एक सिंचाई कुलह अभी तक निर्माणधीन थी।

पंचायत : दीदग

कार्य :–

1. डेढ किलोमीटर सीड़ी बनी है जिसमें 260 सीड़ियां हैं और जो काम अभी 90 प्रतिषत तक हुआ था 10 प्रतिषत पैसों की वजह सक रूक गया था।
2. ग्राउड का काम (मन्दिर ग्राउड) दीदग में हुआ।

आवष्यकतायें

1. पानी का टैंक
2. रास्तों का काम
3. स्कूल का खेल मैदान चाहिए था।
4. जे मन्दिर की सीड़ी बनाई गई वह भी धार्मिक आस्था के लिए जरूरी थी

पंचायत : बंजोण
प्रधान : सीमा देवी

कार्य :–

1. पंचायत घर निर्माण जारी था।
2. रास्ता निर्माण।

आवष्यकतायें :–

इस गांव में पानी टैंक बिलकुल खुला था जिस ओर पंचायत का कोई ध्यान नहीं है। जबकि यह कार्य अति अवष्यक था।

पंचायत : लुधियाना
प्रधान : कमलेष देवी
उप–प्रधान : बालक राम
सहायक : लायक राम

कार्य :–

1. गली निर्माण
2. वावड़ी निर्माण
3. सिंचाई कुल्ह

आवष्यकतायें :–

1. जो रास्ता चाहिए था वह अभी बुरी हालत में था।
2. स्कूल में खेल का मैदान बनाना चाहिए था।
3. पीने के पानी का सुचारू रूप से प्रवधान

पंचायत : सैंज
प्रधाान : विधा देवी
उप–प्रधान : भीम सिंह

कार्यः–

1. रास्तों का निर्माण
2. डंगों का निर्माण

आवष्यकतायें :–

1. रास्ते केवल प्रधान द्वारा अपने ही वार्ड में काम करवाया।
2. स्कूल में खेल का मैदान बनाना चाहिए था।

पंचायत : रेडली

प्रधान : सुमित्रा चौहान
उप–प्रधान : रणवीर

कार्य :–

1. टैंक निर्माण
2. रास्तों का निर्माण

स्कीम का सही प्रयोग का ना होना :–

1. टैंक निर्माण में पंचायत के द्वारा 60 परिवारों के सहयोग को दिखाया गया है। जबकि बातचीत के दौरान यह पाया गया कि केवल 4 से 5 परिवार के लोगों में ही काम किया था।
2. टैंक बन चुका है किन्तु वह अभी तक खाली पड़ा था।
3. टैंक जहां बनना था वहां पर वहीं बनाया गया यह प्रधान की मर्जी से बनाया गया।

पंचायत : माईना धडेल
प्रधान : रामानन्द षर्मा

कार्य :–

1. रास्तों का निर्माण
2. पक्की गली का निर्माण
3. गन्दगी दूर करने के लिए पक्की नाली

आवष्यकतायें :–

1. लेाग यहां पर काम करने को राजी नहीं है क्योंकि वह खानों व अन्य प्रोजेक्टों पर जाना चाहते है।
2. काम अपने ही वार्ड में (प्रधान के वार्ड में) ज्यादा हुआ है। किन्तु अन्य वार्ड अनदेखी की गई है।
3. प्रधान का कहना है कि जिस प्रोजैक्ट पर पैसे दिये जाते है वह अधुरे होते है। जिससे काम ठीक ठाक नहीं हो पाता है।

पंचायत : सैंज
सहायक : चम्पा देवी
प्रधान : विधा देवी
उप–प्रधान : भीम सिंह

कार्य :–

1. जोहड़ का काम
2. मन्दिर का प्रागण
3. रास्ता

आवष्यकतायें :–

1. लींक रोड
2. स्कूल के भवन का निर्माण
3. काम सभी वार्ड में होना चाहिए।

समस्या :–

1. ग्रांट पूरी नहीं मिलती है।
2. काम आधा–अधूरा भी रह जाता है।
3. च्मतवितउंदबम के हिसाब से भुगतान मिलता है च्मतवितउंदबम सही नहीं होती है।

बाकी पंचायतों में भी इसी प्रकार के कार्य चल रहे है।